डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–41
दिनांक– शुक्रवार, 29 मई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.7 एवं 20.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 12.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.3 एवं दोपहर में 37.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 54.8 मि0 मि0 वर्षा दर्ज की गई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(30 मई–03 जुन, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 30 मई–03 जुन, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 48 घंटो तक उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा की संभावना बने रहने की संभावना है। उसके बाद मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- अगले 48 घंटो में जिस क्षेत्र में वर्षा होगी हवा की रफतार 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। उसके बाद हवा की रफतार कम होने की संभावना है। अधिकांश क्षेत्रों में 8 से 12 किलोमीटर प्रति घंटा की रफतार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि मे वर्षा की संभावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाइयों को कृषि कार्यों में विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। मक्का की कटाई, दौनी एवं दानों को सुखाने का कार्य मौसम की स्थिति को देखते हुए सावधानी से करें। मूंग की तैयार फसल की तुड़ाई भी संभावित वर्षा को ध्यान में रखते हुए समय पर और सतर्कता के साथ पूरी करें।
- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद डाले। छोटी–छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन0–53, एग्रीफाउण्ड र्डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- किसान भाई धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। 10 जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। लंबी अवधि वाली धान की प्रजातियाँ जैसे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 आदि की नर्सरी की बोवाई कर सकते है। अच्छी पौध के लिए खेत की अच्छी तैयारी करें और सड़ी हुई गोबर की खाद डालें। क्यारियाँ 1.25 से 1.5 मीटर चौड़ी रखें और बीज प्रमाणित स्रोतों से लें। एक हेक्टेयर रोपाई के लिए 800 से 1000 वर्ग मीटर नर्सरी पर्याप्त होती है। बीज बोने से पहले बीजोपचार अवश्य करें ताकि बीजजनित रोगों से बचाव हो सके।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो सल्फर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, शक्तिमान–5, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 है।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, सल्फर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20–30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30x20 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- गन्ने की फसल में कालिका (स्मट) रोग के प्रकोप होने की संभावना है। यदि गन्ने के पौधे के पिहका से काले रंग की चाबुकनुमा डंठल निकलता हुआ दिखाई दे, जो उजले रंग की झिल्ली से ढँका हो, तो यह कालिका रोग का लक्षण है। प्रभावित गन्ने को पॉलिथीन से सावधानी पूर्वक ढँककर काटें तथा खेत से बाहर निकाल दें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा।

आज का अधिकतम तापमानः 29.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी